Mechanical Loading:

(A) For rake size of less than 113 Four Wheeler Wagons (FWW) — 5 Hours

(B) for rake size above 113 FWW — 8 Hours

Manual Loading:

(A) For rake size less than 133 Four Wheeler Wagons (FWW) — 8 Hours

(B) For rake size of above 113 FWW — 10 Hours

बेहतर किस्म के कोयले का आयात

826. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान बेहतर किस्म के कोयले का आयात किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्षवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) स्वदेशी कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं तथा ऐसी नई कोयला खानों में कार्य शुरू करने की कौन सी योजनायें हैं जहां अपेक्षाकृत बेहतर किस्म का कोयला मिल सके?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : इस संबंध में माननीय सदस्य का आशय निम्न राख वाले कोककर कोयले का आयात से है, जोकि धातुकर्मी प्रयोजनों के लिये प्रयोग में लाया जाता है। इस्पात संयंत्र निम्न राख वाले कोककर कोयले के बड़े आयातकर्ता हैं, जोकि समग्र मिश्रण के गुणवत्ता में सुधार किये जाने के लिये देशीय आपूर्ति के साथ मिश्रण करने के प्रयोजन से तथा कोककर कोयले की मांग तथा देशीय उपलब्धता के बीच अंतराल को पूरा किये जाने के लिये आयात करते हैं।

(ख) भारतीय इस्पात प्राधिकरण तथा विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान आयातित किये गये कोककर कोयले की मात्रा नीचे दी गई है:—

कम्पनी का नाम	वर्ष	आयात की मात्रा (मिलियन टन में)
सेल	1991–92	4.255
	1992–93	4.248
	1993–94	4.754
वी.एस.पी.	1991–92	0.989
	1992–93	1.658
	1993–94	1.884

(स्रोत : सेल और वी.एस.पी.)

(ग) चालू परियोजनाओं के विकास में तेजी लाई जा रही है और इस्पात संयंत्रों के लिये अपेक्षित ग्रेड के कोयले के उत्पादन के लिये नई खानें खोली जा रही हैं। देशीय कोककर कोयले की गुणवत्ता में सुधार किये जाने के लिये निम्नलिखित मुख्य कदम उठाये जा रहे हैं:—

(i) विद्यमान कोककर कोयला वाशरियों का आधुनिकीकरण तथा नवीनीकरण।

(ii) कोल इंडिया लि० द्वारा इस्पात संयंत्रों के प्रयोग के लिये कोककर कोयले की धुलाई करने हेतु नई वाशरियों की स्थापना किया जाना।

(iii) देशीय कोयले की धुलाई क्षमता में वृद्धि किये जाने के लिये कोल इंडिया लि० ने "स्व-निमित–स्व-चालित" के अन्तर्गत निजी क्षेत्र की भागीदारी में वाशरियों को स्थापित किये जाने के लिये विश्व-व्यापी निविदायें आमंत्रित की हैं।